960941

SAEHI202

## II Semester B.Sc. Degree Examination, June / July - 2026
## (SEP Scheme)
## HINDI LANGUAGE
## Kavya Manjar

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 80**

**I.** निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक शब्द या वाक्यांश में लिखिए। **(10×1=10)**

1) कबीर के अनुसार किसके बिना मुक्ति नही मिल सकती है ?
2) बिहारी के दोहो का संकलन किस नाम से प्रसिद्ध है ?
3) धारा का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है ?
4) संसार में स्थायी रूप में क्या नही है ?
5) संघर्षो से लडने के लिए क्या आवश्यक है।
6) कवि किसे सुनने की इच्छा रखते है ?
7) नारी को किस गुण का प्रतीक माना है ?
8) किसकी आवाज सिंहनाद से भी तेज़ है ?
9) सफलता कैसे मिलती है ?
10) आह वेदना मिली विदाई कविता के कवि कौन है।

**II.** किन्ही दो का ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) निदंक नेड़ा राखिये आंगणि कुटी बंधाइ ।
   बिन सावन पांणी बिना, निरमल करै सुभाई ॥

2) प्रियतम मेरे मैं प्रियतम की
   बीती, रात, प्रात शिशु को उर से चिपटाये आयी उषा –
   लुटा रही हूँ गली गली मै अपने प्राणों की मंजुषा – मुझ पगली की बिखरी भूषा –

3) चाल तू अपनी राह पथिक, चल तुझकों विजय
   पराजय से क्या,
   भँवर उठ रहे है सागर में
   मेघर धुमडते है अम्बर में
   आँधी औं तूफान डगर में
   तुझको तो केवल चलना है, चलना ही है फिर हो भय क्या ।

[P.T.O.

**III. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **(2×15=30)**

1) आह वेदना मिली विदाई कविता का सारांश लिखकर उसके संदेश को बताइए ।

2) प्रियतम मेरे में प्रियतम की कविता का सारांश अपने शब्दो में लिखिए ।

3) पथिक से कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखित ।

**IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए।** **(1×6=6)**

1) देव की कविताएँ

2) नौका विहार

**V. किन्हीं एक वैज्ञानिको का परिचय दीजिए ।** **(1×10=10)**

1) ए.पी.जे.अब्दुल कलाम।

2) सर.एम. विश्वेश्वरय्या

**VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए।** **(1×10=10)**

भारत एक प्राचीन देश है । इसे उपमहादीप कहा गया है । इस विस्तृत देश मे भाषा, खान, पान, वेश भूषा आदि का वैविध्य होते हुए भी यहाँ सांस्कृतिक एकता के सूत्र कभी भी विरिछन्न नही हुए राजनीतिक एकता विरिछन्न हो जाने पर भी धर्म तया संस्कृति की दृष्टि से यह देश सदा ही अविभक्त रहा है प्राचीन धर्म चार्थों तथा समाज सुधारकों में धार्मिक तथा सांस्कृतिक एकता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, यही कारण है कि इतिहास की अनेक दुघटनाएँ और विदेशियों के लगातार आक्रमण भी इसकी आधार भूत एकता को खंडित नही कर पायें । सचमुच भारत विविधता में एकता की प्रतिमूर्ति है । हर दृष्टि से यह देश अद्‌ितीय है । विपरीत से विपरीत स्थिति में भी अस्तित्व को समय की शक्ति नही मिटा पाई ।